" PROJECT YUVA CHETNA "

Oasis Counsellors
Counselling, Guidance & Training
(AN ISO 9001 : 2008 CERTIFIED)

Effective Parenting !

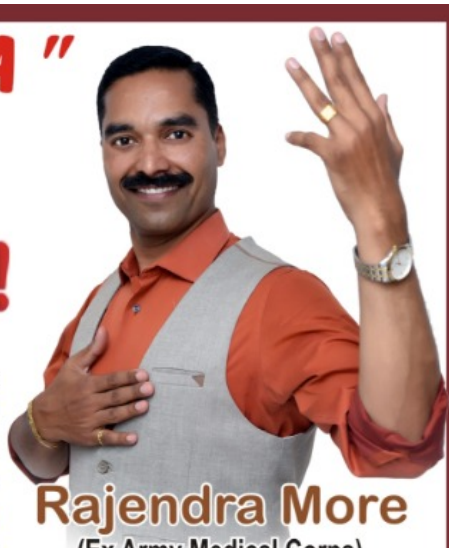

Rajendra More
(Ex Army Medical Corps)
Psychological Counsellor

In today's era, it is not easy to manage children. Both the parents leave home early in the morning, keeping children at the mercy of day-care centres, care takers or alone at home. We try our maximum to give children what we ourselves could not get in our childhood. But still something is missing and that is 'quality time' and the so called "Sanskaras" means imbibing good practices needed for healthy upbringing and a great life ahead! Children till the age of seven listen to the parents. But later they begin to implement their own ideas. They do not follow our instructions. Become arrogant. They do not study. They misbehave. They remain engaged in gadgets and not interact with others etc…

There are some serious issues as well even after the children grow up to a certain age. Some children wet their beds, suck their thumbs, some bite their nails, some children eat dirt, chalks, pencils etc. They do not sit at one place due to instability. Some are hyper active. Some forget whatever told or taught to them in very short time. Some speak, read, talk, and write topsy turvy i.e. in a confused way, upside down, not in correct sequence. Some become obstinate. Some become mischievous. Many times we ignore such small things saying, 'everything will be OK in due course of time as they grow'. But it may get worst and may not even get cured.
Hence, the need for "Effective Parenting!"

"MODELLING : THE ART OF PARENTING!"

Children observe their parents, teachers, friends and imitate us. They simply copy us. We feel that the child is small and may not be understanding anything but surprisingly, children ape us. At the age from 6 to 18 i.e. when they are studying they know what is good and what is not. So we can teach them and mould their behaviour accordingly in that age.

At present, the parents are busy and they cannot give quality time to their children. And children are also having busy schedules of school, classes, tuitions and extracurricular activities. Such important activities are to be attended forever by them. And we know the after affects a lot. Modelling of children is necessary in this busy era. Or else children may get trapped in the worry world and fail to enjoy the life…

"EVERY PROBLEM HAS SOLUTION!"

Faculties of Oasis Counsellors:-

Mr. Rajendra More
(Ex Army Medical Corps)
Chief Psychological
Counsellor & CEO
Founder Oasis Counsellors

Dr. Vinayak Jarhad
M.B.B.S, M.D (psychiatry)
Consultant Psychiatrist,
& De-addiction Specialist
Director Oasis Counsellors

Dr. Shital Shinde
B.H.M.S, Clinical Hypnotherapist,
Counseling Psychologist
Director Oasis Counsellors

Aparna Chavan
Clinical psychologist
Director Oasis Counsellor

Ms. Smita Ghamande
Speech Therapist
Director Oasis Counsellors

Mr. Mubarak Attar
Motivational Trainer
Mind Power, Memory
Techniques Director &
Branch Head, Sangali.

Ms. Renuka Patankar
Clinical psychologist
Director Oasis Counsellor

Services

Psychological Counseling
Stress Management
Student Counseling &
Career Guidance

Adolescent Counseling
Pre, Post Marital Counseling
Psychosexual Counseling
De-addiction & Counseling

Treatment

Bach Flower
Homeopathy
Psychiatry

Tests

Psychometrics
Career Guidance Test
DMI Test (Know
your inborn ability)

Workshops: **Effective Parenting, Enjoy Exam Technique, Stress Management, Husband Wife Relationship**

Association: ***i*-GENIE** Human Development Services, Ahmedabad
Career futura, Pune.

Oasis Counsellors

Premraj Niketan No. 4,Anandnagar, Sangavi (Old) Pune - 411 027
Email : oasiscounsellors@yahoo.in
M : +91 9975945211, +918793937889, +91 9421962548,

"EVERY PROBLEM HAS SOLUTION!"

Oasis Counsellors

Counselling, Guidance & Training
(AN ISO 9001 : 2008 CERTIFIED)

Premraj Niketan No. 4,Anandnagar, Sangavi (Old) Pune - 411 027
Email : oasiscounsellors@yahoo.in
M : +91 9975945211, +918793937889, +91 9421962548,

"PROJECT YUVA CHETNA!"

''प्रोजेक्ट युवा चेतना!''

"PROJECT YUVA CHETNA!"

प्रोजेक्ट युवा चेतना

अखंड मानवता के भविष्य का शिल्पी-आज के युवक! होशियार, बुध्दीजीवी! कक्षा दसवी तक बडी लगन से पढाई करने वाले युवक, कक्षा ग्यारहवी और बारहवी में केवल आधे मार्क्स पर ही रुक जाते हैं । युवकों का सबसे करिबी 'मित्र' और सबरे बडा 'शत्रू' - 'मीफ्ट!' 'मोबाईल, इंटरनेट, फ्रेन्डस् और टेलीविजन' इन चार चीजों का यदि सही उपयोग किया जाय, तो भविष्य बनाने के लिए 'मीफ्ट' जैसा संसार में कोई मित्र नहीं और गलत उपयोग किया तो.....सीधासाधा सा गणित है '२५ साल स्मार्टवर्क करो-७५ साल आराम से रहो। नहीं तो २५ साल आराम करो-७५ साल मजदूरी करो'!'

स्वामी विवेकानंदजी के ख्वाबों का युवक आज कौनसी भँवर में फंसा हूआ है ? फेसबुक, व्हॉटस्ॲप, गेम्स और गुगलबाबा के फुजूल इस्तेमाल से आज प्रत्यक्ष भेंट, चर्चा, संवाद होता ही नहीं । दिन के तकरीबन ५ घन्टे, महिने के १५० घंन्टे और पूरे साल के १८२५ घन्टे केवल दुसरों के 'पोस्ट' 'पढने' और 'शेअर' करनें में जाते हैं । दुसरों को सिर्फ 'अच्छा लगे' इसलिए 'लाईक' करने में जाते हैं । प्रगतशील देशों में लोग इतने घन्टे दिनभर काम करते है। लेकिन हम अपना अमूल्य समय 'इनवेस्ट करने की बजाय 'वेस्ट' करते है। स्टाईल समझकर एकाध 'बॅड हॅबीट' के शिकार हो जाते है । ठीक इसी उमर में हमारे जीवन में ज्यादातर बुरी चीजें, आदतें 'एन्टर' करती है और हम उसके शिकंजे में कब फँस जाते है, पता ही नहीं चलता। ऐसे शिकंजे से बाहर निकलना बहुत मुश्किल हो जाता है । जो स्टाईल नही करता उसे 'आऊटडेटेड' समझा जाता है । 'फ्रेन्डशीप-रिलेशनशीप-ब्रेकअप' का सिलसीला जानलेवा बन जाता है तब 'मिशन गॅज्यूएशन' एटीकेटी और वाय डी के दुष्ट चक्र में फँस जाता है और आता है -डिप्रेशन! एटीकेट में ही 'ऐसे-तैसे' ग्रॅज्युएशन पूरा होता है और कॅम्पस सिलेक्शन के बारह बज जाते है। 'ॲप्टी और 'जी.डी' का कभी प्रॅक्टीस नहीं किया होता है, क्योंकि कॉलेज कट्टे का जी.डी. कभी कॅम्पस में पूँछा नहीं जाता है और तब समग्र जीवन बडा ही मुश्कील हो जाता है । जो 'आऊटडेटेड' थे बाजी मार ले जाते है और उनके अंडर काम करने की नौबत आती है ।

यदि समय रहते ही 'प्रॉपर शेड्युल' किया, उसे फॉलो किया, अपनी मन:शक्ती का सही उपयोग किया, तो सभी समस्याओं पर हम मात करत सकते हैं ।और हमने जो 'सपना ' देखा है वह सच हो जाता है। समुपदेशन, सलाह, मार्गदर्शन और मन:शक्ती के उपयोग का प्रशिक्षण लेने से हम केवल अपना ही नही अखंड मानवता का विकास कर सकते है । यह क्षमता केवल आज के युवकों में ही है ।

(AN ISO 9001 : 2008 CERTIFIED)

हँसते खेलते परीक्षा! Enjoy Exam Technique!

पूरे साल बहुत अच्छी तरह पढाई करने के बाद भी केवल *6* दिन की परिक्षा से पहले बहुत टेन्शन आता है । कैसा-कैसा लगता है, जो शब्दों में बयान करना मुश्कील होता है, एक्जाम का डर लगता है, 'याद आयेगा या नहीं', 'मैं पेपर ठीकठाक लिख पाऊंगा या नहीं ''इसकी गॅरंटी नही होती ।' गुस्सा आता है, चिडचिडाहट होती है, भूख नहीं लगती, उमस होती है, उल्टी आने जैसा लगता है, सिर बहुत भारी भारी सा होता है, चक्कर जैसा लगता है। लगता है जैसे सब कुछ गोल-गोल घुम रहा है। पेट दर्द होता है, पेट मे गोल गोल घूमता है, टेन्शन बढता है, पेट साफ नही होता या लूज मोशन्स होते है । खूब निंद आती है । रिव्हीजन किया हुआ ध्यान में नही रहता, पढाई पर ध्यान नही लगता, दुविधा मन:स्थिती होती है, मन एकदम अशांत होता है, आँखोमें जलन सी होती है, पानी आता है, आँसू आते है । धूंधला सा दिखाई देता है, सीर में दर्द होता है । कान गरम होते है, हाथ पाँव थरथराने लगते है, बार बार पेशाब लगता है आदि।

उपर लिखी हुई सब बातोंपर ओव्हरकम करने की टेक्नीक, ध्यान में रखने की टेक्नीक, इस वर्कशॉप में केवल सिखाई ही नहीं करायी जाती है । कॉन्फिडन्स बिल्डींग टेक्नीक और ' मेमोरी टेक्नीक' एवं ' डर छू मंतर' ***(Phobia Buster)*** संमोहनव्दारा ***(Clinical Hypnotism)*** एक्झाम का डर मन से पूरी तरह निकाल दिया जाता है । रिकॉल टेक्नीक,***(Recall Technique)*** रिलीज टेक्नीक ***(ReleaseTechnique)***, रॅपीड हिलिंग टेक्निक ***(Rapid Healing Technique)*** और मेमोरी टेक्नीक***(Memory Technique)***. इन सब टेक्नीक के उपयोग सेअच्छे मार्कस् पाकर अच्छा यश प्राप्त होता है ।

अभिभावक मित्रों रुकिया...

एक मिनिट दीजिये आपके बालक के भविष्य के लिए ।

क्या आपको पता है?

आपके बालक की बुध्दि का अंक भावना का अंक आध्यात्मिक अंक और सृजनात्मकता का अंक और विपरीत परिस्थिती पर मात करने की क्षमता कितनी है? आपके बालककी पर्सनालिटी किस तरह कि है? आपका बालक पढा हुआ याद रख सकता है? आपके बालक की सीखने की पध्दति क्या है? आपका बालक के सीखने की गति कितनी है? आपके बालक की कौन कौनसी प्रवृत्तियों में रुचि है? आपका बालक कौन से करिअर में आगे बढ सकता है? डॉक्टर, इंजिनियर, वैज्ञानिक, ॲक्टर..? आपके बालक में कौनसी जन्मजात प्रतिभाए है?

उपर पूछे गये सवालों के चवाब सोचते हुए क्या आपको लगता है कि आप अपने बालक को अच्छी तरह से जानते है? दि आपके बालक की जन्मजात प्रतिभायें आपको समय रहते ही पता चले, तो आपके बालक का अच्छा विकास तो होगा ही साथ में उसका एक अच्छा व्यक्तित्व बनेगा।